दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़े फैसलों से बदलती है प्रदेश की तस्वीर: मुख्यमंत्री

विंध्य के मुकुट शहडोल में विकास का महाकुंभ






मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी 462 करोड़ की सौगात
9.77 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में बरसे बोनस के रुपयेशहडोल में खुलेगा प्राइवेट यूनिवर्सिटी और अत्याधुनिक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का रास्ता जल्द स्थापित होगी स्टील फैक्ट्री जंगली हाथियों के आतंक से बेघर हुए परिवारों को वन विभाग बनाएगा पक्के आशियाने और करवाएगा फेंसिंग

शहडोल। विंध्य की आबोहवा और आदिवासी बहुल शहडोल संभाग इन दिनों विकास की बयार से सराबोर है। शरद पूर्णिमा के पावन और उत्सवी माहौल के बीच रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के एक दिवसीय दौरे ने इस अंचल के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। जमुई हेलीपैड पर उतरते ही जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अमले ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद मुख्य समारोह स्थल पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पांच जिलों के छह जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत आने वाले कुल 9 लाख 77 हजार 696 पात्र तेंदूपत्ता संग्राहकों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 22 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक यानी बोनस राशि का अंतरण किया। दीपावली के मुहाने पर खड़े इन गरीब और मेहनतकश परिवारों के खातों में राशि पहुंचते ही चेहरे खिल उठे। इस ऐतिहासिक आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने शहडोल जिले को कुल 461.73 करोड़ रुपये (लगभग 462 करोड़) की लागत वाले 134 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। इसमें 82.28 करोड़ रुपये की लागत के 45 पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण और 379.45 करोड़ रुपये की लागत वाले 89 नए निर्माण कार्यों का भूमिपूजन शामिल रहा।

जनता के हक में लिए गए कड़े फैसलों से होता है विकास

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने ओजस्वी भाषण में दो टूक शब्दों में कहा कि हमारी सरकार संभावनाओं के सागर में हाथ-पैर मारने या कोरे कागजों पर सपने सजाने में विश्वास नहीं रखती। विकास फाइलों के लाल फीताशाही में दबकर नहीं रहता, बल्कि मैदानी अमले के ठोस, कड़े और जनहितैषी फैसलों से गति पकड़ता है। तेंदूपत्ता संग्राहकों की मेहनत को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगल की पगडंडियों और कांटों के बीच पसीना बहाकर हमारे वनवासी भाई-बहन जो वनोपज एकत्र करते हैं, उनके पसीने की हर एक बूंद का सम्मान करना हमारी सरकार का सर्वोच्च कर्तव्य है। यह बोनस राशि दीपावली से ठीक पहले गरीब परिवारों के घरों में खुशियों और समृद्धि के दीप प्रज्ज्वलित करेगी। उन्होंने पुरजोर शब्दों में दोहराया कि सच्चा वादा और पक्का काम ही मौजूदा सरकार का मूल मंत्र है।

शहडोल संभाग के विकास को लगे पंख

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विंध्य के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए कई बड़ी और दूरगामी घोषणाएं कीं, जिनसे आने वाले समय में क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल जाएंगी। क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर का मंच देने के लिए शहडोल जिला मुख्यालय पर एक भव्य और आधुनिक सुविधाओं से लैस इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, देश-दुनिया में फुटबॉल की नर्सरी के रूप में अपनी खास पहचान बना चुके विचारपुर गांव में 5.10 करोड़ रुपये की लागत से खेल अधोसंरचना का विकास होगा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होने वाले कदम के तहत निजी सहभागिता (प्राइवेट पार्टनरशिप) के माध्यम से शहडोल में एक अत्याधुनिक प्राइवेट यूनिवर्सिटी की स्थापना का रास्ता साफ कर दिया गया है। साथ ही शहर में एक भव्य 'गीता भवन' का निर्माण भी कराया जाएगा। रोजगार के अवसरों को सृजित करने के लिए शहडोल में जल्द ही एक विशाल स्टील फैक्ट्री (लौह अयस्क संयंत्र) की स्थापना होने जा रही है, जिससे क्षेत्र के चार हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकेगा। विद्यार्थियों की मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कॉलेज को अब कॉमन (को-एड) एजुकेशन कॉलेज में परिवर्तित कर दिया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं दोनों को उच्च शिक्षा में आसानी होगी।

हाथी पीड़ितों के लिए पक्के आवास और सुरक्षा

उमरिया और शहडोल संभाग के जिन वनीय अंचलों में जंगली हाथियों ने बस्तियों में तांडव मचाते हुए मकानों को तहस-नहस कर दिया है, उन सभी पीड़ित परिवारों को वन विभाग द्वारा पूरी तरह पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। साथ ही उनकी सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए घरों के चारों ओर मजबूत फेंसिंग (बाड़) भी कराई जाएगी। जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोहपारू में रीवा-शहडोल मुख्य मार्ग से महाविद्यालय एवं आईटीआई तक नई सडक़ का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, उमरिया जिले के तमाम जर्जर और बदहाल मार्गों को दुरुस्त करने के लिए एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश सडक़ विकास निगम) के माध्यम से नई सडक़ों का जाल बिछाया जाएगा।

फॉरेस्ट जू और होमस्टे योजना

पर्यटन को बढ़ावा देने और सैलानियों को आकर्षित करने के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व या शहडोल के समीप भविष्य में एक आधुनिक फॉरेस्ट जू एंड रेस्क्यू सेंटर बनाया जाएगा। ग्रामीण पर्यटन को गति देने के लिए होमस्टे विकसित करने वाले स्थानीय नागरिकों को सरकार की ओर से दो लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। धान उत्पादक जिन किसानों ने किसी कारणवश अभी तक अपनी उपज बेचने के लिए पंजीयन नहीं कराया था, उनके व्यापक हित में शासन ने पंजीयन पोर्टल को एक बार फिर से खोल दिया है।

462 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने 82.28 करोड़ रुपये की लागत के 45 विकास कार्यों का लोकार्पण किया, जिनमें मुख्य रूप से पुलिस आवास, गृह निर्माण निगम के भवन, ग्रामीण संपर्क मार्ग, शुद्ध पेयजल परियोजनाएं और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े बुनियादी कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही, 379.45 करोड़ रुपये की लागत वाले 89 नए विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें लोक निर्माण विभाग के 36 बड़े सडक़ एवं पुल निर्माण कार्य शामिल हैं, जैसे- साखी पुरनिहा टोला मार्ग, भानपुर-खटोलिया-हर्दी-समातपुर मार्ग, बिरौंड़ी से महुआ मार्ग, और सोन नदी के चकराघाट पर बनने वाला नया पुल। इसके अतिरिक्त, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत सोहागपुर, जयसिंहनगर, गोहपारू और बुढ़ार विकासखंडों में शासकीय हाई स्कूल भवन, छात्रावास एवं आश्रमशालाओं का निर्माण किया जाएगा। पुलिस महकमे की अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए नए थानों और पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जुड़े भवनों की नींव भी रखी गई।

प्रदर्शनी में दिखी माटी की सोंधी खुशबू

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगाई गई भव्य और आकर्षक प्रदर्शनी आगंतुकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूरी गंभीरता और रुचि के साथ इसका अवलोकन किया। सांदीपनि विद्यालय छतवई के स्टॉल पर विद्यार्थियों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित प्रशिक्षण और तकनीकी मॉडल का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर मुख्यमंत्री खासे प्रभावित हुए और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कृषि विभाग की प्रदर्शनी में श्रीमती विरमतिया भूमिया ने मुख्यमंत्री को अनमोल वीरनमाला एवं पारंपरिक बीजों की टोकरी भेंट की। वहीं, हस्तशिल्प केंद्र छतवई की कुशल काष्ठ कलाकार दुर्गा सिंह ने भगवान गणेश की बेहद मनमोहक काष्ठ प्रतिमा भेंट की। उन्होंने गर्व से बताया कि अब स्थानीय कारीगरों के इन काष्ठ उत्पादों को अमेजन जैसे वैश्विक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया गया है, जिससे उनकी कला को अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और लघु वनोपज संघ के स्टॉल पर जंगलों से मिलने वाले लघु वनोपजों के प्रसंस्करण और विपणन को दर्शाया गया। राजस्व विभाग के स्टॉल पर स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण अंचल के पात्र हितग्राहियों को उनकी संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़े आधिकारिक दस्तावेज सौंपे गए।

हितलाभ पाकर खिले हितग्राहियों के चेहरे

इस गरिमामयी समारोह के मंच से मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को अपने हाथों से सौगातें बांटी। मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए ई-स्कूटी और लैपटाप बांटे गए। दक्षिण वनमंडल की मेधावी छात्रा वसुंधरा सिंह परिहार को एकलव्य शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के तहत 31 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत कविता कोल को दो लाख रुपये की ऋण सहायता का स्वीकृति पत्र दिया गया, जिससे वे अपने छोटे उद्यम को नई ऊंचाइयां दे सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग की लोकप्रिय लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिका आरिका शर्मा को प्रमाण-पत्र सौंपा गया। राजस्व विभाग की स्वामित्व योजना के तहत ग्राम रायपुर हर्रौं एवं हरदी के पांच किसानों व ग्रामीणों को उनकी भूमि के पट्टे और स्वामित्व अभिलेख प्रदान किए गए।

जनप्रतिनिधियों ने रखी क्षेत्र की जनभावनाएं

समारोह को संबोधित करते हुए शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि शहडोल की यह पाटी जंगल, जमीन और अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति के लिए पूरे देश में जानी जाती है। यहां के मेहनतकश वनवासी अपनी कठोर मेहनत से न केवल अपना घर चलाते हैं, बल्कि प्रदेश की आर्थिकी को भी सुदृढ़ करते हैं। सरकार द्वारा दिया जा रहा यह बोनस उनके परिश्रम का सच्चा और मौद्रिक सम्मान है। जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण और कुटीर गतिविधियों में हमारी माताओं-बहनों की भूमिका रीढ़ की हड्डी जैसी होती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि क्षेत्र के युवाओं के पलायन को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए और महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए एक भव्य व सुविधायुक्त बाजार विकसित किया जाए।इस ऐतिहासिक और विशाल आयोजन में उपमुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, विधायकगण जयसिंह मरावी, शरद कोल, बिसाहूलाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष शहडोल श्रीमती प्रभा मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष उमरिया श्रीमती अनुजा पटेल, अमरकंटक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र भारती सहित तमाम वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से पहुंचे हजारों की संख्या में तेंदूपत्ता संग्राहक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के इस दौरे और सौगातों की बौछार से पूरे शहडोल संभाग में दीपावली से पहले ही दीवाली जैसा जश्न और उत्साह का माहौल है।

खबर संक्षेप

सफल आयोजन पर कलेक्टर ने जताया आभार



शहडोल। जिले में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों के भव्य बोनस वितरण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता और जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। कलेक्टर श्री जायसवाल ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक और व्यवस्थित रूप देने में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुटे सभी वर्गों का आभार माना। उन्होंने कहा कि जिले के आम नागरिकों, माननीयों जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के कर्मठ शासकीय सेवकों, पुलिस बल और सजग मीडिया प्रतिनिधियों के आपसी समन्वय व अथक सहयोग के बिना यह आयोजन संभव नहीं था। प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी जनहित के ऐसे आयोजनों में सभी का ऐसा ही आत्मीय सहयोग और सक्रिय सहभागिता बनी रहेगी, जिससे जिले के विकास को और अधिक गति मिल सके।

पलटा पिकअप वाहन टला बड़ा हादसा



बुढ़ार। नगर के व्यस्ततम वार्ड क्रमांक-4 स्थित अटल कॉम्प्लेक्स मार्ग इन दिनों हादसों का सबब बनता जा रहा है। बदहाल और जर्जर सडक़ के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मुख्य मार्ग का आधा हिस्सा पहले से ही खस्ताहाल था, जिसके चलते अनियंत्रित हुआ एक लोड पिकअप वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इस भयानक दुर्घटना में वाहन और उसमें लदा सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, गनीमत यह रही कि चालक की जान बाल-बाल बच गई। स्थानीय लोगों ने जल्द सडक़ दुरुस्त कराने की मांग की है।

कीचड़ और जानलेवा गड्ढों के बीच जोखिम में बच्चों का भविष्य



शहडोल। जिले के अमलाई रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे पुलिया पिछले एक-डेढ़ महीने से राहगीरों और स्कूली बच्चों के लिए दलदल और किसी बड़े हादसे के सबब में तब्दील हो चुकी है। पुलिया के नीचे एक-एक फीट गहरे जानलेवा गड्ढे और लबालब भरा कीचड़ दिखाई नहीं देता, जिसके कारण आए दिन स्कूटी सवार महिलाएं और आम नागरिक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। इसी खतरनाक रास्ते से रोजाना कन्वेंट स्कूल, सेवेन ओसियम और ओपीएम स्कूल सहित आस-पास के विद्यालयों में पढऩे वाले मासूम बच्चे सुबह-शाम जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि दुर्घटना के डर से कई छोटे बच्चों ने रेलवे ट्रैक पार करके आना-जाना शुरू कर दिया है, जो किसी भी वक्त किसी बड़ी अनहोनी को न्यौता दे सकता है। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने रेलवे प्रशासन व स्थानीय प्रशासन से गुहार लगाते हुए अविलंब इस बदहाल पुलिया के सुधार और जल निकासी की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते रेलवे प्रबंधन ने इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया, तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा घट सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

दूसरे दिन भी राष्ट्रगीतों से गूंजता रहा नगर



शहडोल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा के आतिथ्य में क्षेत्रीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय भारती पैलेस में किया गया। कार्यक्रम में परिषद के मध्य क्षेत्र (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) की 6 प्रांतों की टीमों ने अपनी प्रस्तुतियां देकर गायन प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विधि महाविद्यालय के छात्रों ने संपूर्ण वंदे मातरम का गायन किया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि परिषद का यह आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भाव का संचार करने के लिए महत्वपूर्ण है उन्होंने सभी परिस्थितियों की सराहना किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं ।




काले झंडे दिखाए, पुलिस से तीखी झड़प के बाद कार्यकर्ता हिरासत में

मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन




शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल दौरे के दौरान स्थानीय राजनीति गरमा गई। जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसान विरोधी फैसलों और बदहाल कानून-व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उग्र प्रदर्शन किया। काले झंडे लेकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर कूच कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

काले झंडों के साथ सडक़ों पर उतरी कांग्रेस

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहर में जोरदार प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की थी। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के तहत कांग्रेसजन काले झंडे लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यक्रम स्थल की तरफ बढ़ रहे थे। जैसे ही जुलूस आगे बढ़ा, पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजामों का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी झड़प हुई। माहौल को तनावपूर्ण होते देख पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिलाध्यक्ष समेत कई प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया और वाहन में भरकर थाने ले गई।

इन गंभीर मुद्दों को लेकर सरकार पर बोला हमला

कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। पार्टी का आरोप है कि राज्य में किसान पूरी तरह त्रस्त हैं, जिन्हें उनकी उपज का सही दाम और राहत नहीं मिल रही है। इसके अलावा महंगाई ने आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। प्रदर्शन के दौरान कथित वोट चोरी के मुद्दे और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा का सवाल भी जोर-शोर से उठाया गया। कांग्रेस ने शहडोल जिले की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव पूरी तरह खत्म हो चुका है और प्रशासन केवल सत्ता बचाने में व्यस्त है।

जनता की आवाज को दबा नहीं सकती सरकार

हिरासत में लिए जाने से पहले जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कड़े शब्दों में कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम जनता के हक की आवाज उठाना है। मुख्यमंत्री का दौरा जनता के ज्वलंत मुद्दों को सामने रखने का एक बड़ा अवसर था, लेकिन पुलिस प्रशासन के बल पर सरकार आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि जनता के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए यह संघर्ष आगे भी इसी तेवर के साथ जारी रहेगा।

काले झंडे दिखाने की जिद पर अड़े कांग्रेसी हुए डिटेन, तीन थानों की पुलिस रही अलर्ट



मुख्यमंत्री के दौरे से ठीक पहले शहडोल में सियासी संग्राम

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल दौरे से ठीक पहले जिले का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया था। महंगाई, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने की जिद पर अड़े कांग्रेसियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही धनपुरी, बुढ़ार और अमलाई थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एहतियातन डिटेन कर लिया।

विरोध के ऐलान से हडक़ंप, पुलिस मुस्तैद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के एक दिवसीय दौरे को लेकर जहां एक तरफ जिला प्रशासन ने बाणगंगा मैदान में तेंदूपत्ता संग्राहक बोनस वितरण और करोड़ों के विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन की व्यापक तैयारियां कर रखी थीं, वहीं दूसरी तरफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार को घेरने की पूरी रणनीति बना ली थी। कांग्रेस का साफ कहना था कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई और स्थानीय स्तर पर चरमराई व्यवस्थाओं के खिलाफ मुख्यमंत्री के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा। कांग्रेसियों के इस काले झंडे दिखाने के ऐलान के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और वीआईपी दौरे में किसी भी तरह के व्यवधान को रोकने के लिए पुलिस ने सुबह से ही एक्शन लेना शुरू कर दिया।

तीन थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से पहले ही पुलिस ने सुनियोजित तरीके से दबिश देकर कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके ठिकानों और रास्तों से हिरासत में ले लिया। धनपुरी, बुढ़ार और अमलाई थाना क्षेत्रों में पुलिस बल ने मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शनकारियों को आगे बढऩे से रोक दिया और उन्हें डिटेन कर थाने ले जाया गया। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद स्थानीय राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।

विकास बनाम विरोध का रहा माहौल

एक तरफ जहां मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान हजारों तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में सिंगल क्लिक से बोनस राशि पहुंचाई और विकास की कई बड़ी सौगातें जनता को समर्पित कीं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने इस पूरी प्रशासनिक कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। कांग्रेस नेताओं का आरोप रहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए पुलिस बल का दुरुपयोग कर रही है और जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, कड़े सुरक्षा घेरे और पुलिस की सख्ती के बीच मुख्यमंत्री का यह दौरा और उससे पहले का सियासी घटनाक्रम शहडोल जिले में दिनभर मुख्य चर्चा का विषय बना रहा।

बुजुर्ग विधवा की संदेहास्पद मौत और दोहरा मापदंड: शकीला और सबीर पर संपत्ति हड़पने व न्याय की राह रोकने के गंभीर आरोप



शहडोल। संभागीय मुख्यालय के पुरानी बस्ती क्षेत्र में रेलवे के सेवानिवृत्त लोको पायलट स्वर्गीय देवी सिंह की 75 वर्षीय निस्संतान विधवा पत्नी शांति बाई की संदेहास्पद मौत और संपत्ति के कथित फर्जीवाड़े का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में शकीला और सबीर खान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मृतका की देखरेख की आड़ में इन दोनों ने न सिर्फ करोड़ों की अचल संपत्ति और मोटी पेंशन हड़पने का ताना-बाना बुना, बल्कि अब प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान भी दोहरे मापदंड के जरिए असली हकदारों को बेदखल करने का खेल-खेला जा रहा है।

परिजनों देवरानी श्रीमती सुशीला हरी सिंह और पुत्रवधू श्रीमती हरूना विक्रम सिंह द्वारा उठाए गए बिंदुओं के मुताबिक, स्वर्गीय देवी सिंह की करोड़ों रुपए मूल्य की अचल संपत्ति और हर साल मिलने वाली करीब 5 लाख रुपए की पेंशन पर कब्जा जमाने के लिए शातिर साजिश रची गई। आरोप है कि बुजुर्ग और अनपढ़ शांति बाई के अकेलेपन का फायदा उठाकर शकीला और सबीर ने उनकी देखभाल के नाम पर हर साल लगभग 4,48,000 रुपए वसूले। पिछले 17 वर्षों के कथित वसीयतनामे और भुगतानों को आधार माना जाए तो इन लोगों ने बुजुर्ग महिला से करीब 81 लाख रुपए ऐंठे, जो सेवा कम और सुनियोजित ठगी ज्यादा लगती है। शांति बाई के जिस घर में वे रहती थीं, उसके ठीक बगल के कमरे में शकीला और सबीर का डेरा था। आरोप है कि इसी नजदीकी का फायदा उठाकर बुजुर्ग महिला को एक तरह से कैद में रखा गया और उनकी संपत्ति पर पूरी तरह कुंडली मार ली गई।

खबर संक्षेप



जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में पार्वती भहना और पंकज सिंह प्रथम

कोतमा। शासकीय महाराजा मार्तण्ड महाविद्यालय, कोतमा में आयोजित जिला स्तरीय महिला एवं पुरुष योग प्रतियोगिता में तीन महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के महिला वर्ग में पार्वती भहना और पुरुष वर्ग में पंकज सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद मोबीन के मार्गदर्शन में मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष हनुमान गर्ग, शिवेंद्र चतुर्वेदी, जितेंद्र भट्ट एवं दीपक यादव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष हनुमान गर्ग ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक है। उन्होंने विद्यार्थियों से योग को दिनचर्या में शामिल करने तथा पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना विकसित करने का अवसर देती हैं। प्रतियोगिता में शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर, शासकीय महाविद्यालय, बिजुरी तथा शासकीय महाराजा मार्तण्ड महाविद्यालय, कोतमा के महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया। निर्णायकों ने निर्धारित मानकों के आधार पर प्रतिभागियों के संतुलन, लचीलेपन, एकाग्रता और योग कौशल का मूल्यांकन किया। महिला वर्ग में पार्वती भहना तथा पुरुष वर्ग में पंकज सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक दल में जिला स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. रामायण प्रसाद वर्मा, डॉ. आनंद कुमार मिश्रा, सुश्री नम्रता बघेल, सुश्री गंगा पटेल एवं डॉ. संतोष कुमार सोनी शामिल रहे। सुश्री सची मिश्रा ने रेफरी एवं निर्णायक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाविद्यालय की खेल समिति की संयोजक सुश्री नम्रता बघेल के नेतृत्व में डॉ. शिव कैलाश यादव, डॉ. अमित कुमार निगम एवं डॉ. प्रवीण कुमार यादव ने आयोजन की व्यवस्थाओं और संचालन में सहयोग दिया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्राचार्य मोहम्मद मोबीन ने विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि योग और खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने पर रहेगा जोर

उमरिया। जिले में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न बैंकिंग एवं शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज 25 अक्टूबर 2026 को रानी दुर्गावती भवन, उमरिया में वित्तीय संतृप्ति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गौतम कुमार सिंह ने जिले के सभी अधिकारियों एवं संबंधित बैंक अधिकारियों से शिविर में उपस्थित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं एवं शासकीय योजनाओं से जोड़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके।

3 नवंबर को होगा विकसित भारत युवा संसद का आयोजन

उमरिया। युवाओं को संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के समसामयिक मुद्दों पर जागरूक बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के अंतर्गत विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में माय भारत उमरिया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 3 नवंबर को रणविजय कॉलेज के हॉल में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष युवा संसद की थीम एक राष्ट्र, एक चुनाव' निर्धारित की गई है।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई थी पहचान, अश्लील वीडियो वायरल कर तुड़वाई शादी
शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, परिवार को गोली मारने की धमकी

बहनों को भी धमकाया, महिला थाने में जीरो एफआईआर, बुढ़ार पुलिस कर रही जांच

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने केशवाही क्षेत्र के युवक कनिष्क सिंह उर्फ छोटू पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो बनाने और बाद में शादी से इनकार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी और उसके परिजन उसे तथा उसके परिवार को धमका रहे हैं। उसे घर से बाहर निकलने पर गोली मारने की धमकी दी गई है। युवती का दावा है कि धमकियों के कारण उसका परिवार दहशत में है और वह घर से बाहर निकलने में भी डर रही है। युवती की शिकायत पर 12 अक्टूबर 2026 को शहडोल महिला थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 का उल्लेख है। क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार थाने को भेजा गया है, जहां पुलिस जांच कर रही है। युवती के अनुसार, उसने न्यायालय में भी अपने बयान दर्ज कराए हैं। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। आरोपी पक्ष का जवाब सामने नहीं आया है।

इंस्टाग्राम से हुई पहचान, शादी का वादा करने का आरोप

एफआईआर में दर्ज शिकायत के अनुसार, युवती की पहचान वर्ष 2023 में इंस्टाग्राम के माध्यम से कनिष्क सिंह से हुई थी। जनवरी 2024 से दोनों के बीच बातचीत और प्रेम संबंध शुरू हुए। युवती का आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी भरोसे के कारण दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और युवक ने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने शिकायत में बताया कि 29 अक्टूबर 2024 को युवक उसे ग्राम कुनहरी में प्रेमलाल शर्मा उर्फ बाबू शर्मा के खाली पड़े बाड़े में ले गया था। वहां शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। युवती के मुताबिक, इसके बाद भी कई बार दोनों के बीच संबंध बने। उसका आरोप है कि युवक शादी की बात कहकर संबंध बनाता रहा, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया।

तीन बार गर्भवती होने और गर्भपात कराने का दावा

युवती ने शिकायत में आरोप लगाया है कि संबंधों के दौरान वह तीन बार गर्भवती हुई। उसका कहना है कि युवक ने उसे गर्भपात की गोलियां दी थीं, जिन्हें खाने के बाद गर्भपात हो गया। युवती ने यह भी बताया कि एक बार ढाई महीने से अधिक का गर्भ ठहरने पर युवक उसे बुढ़ार में एक डॉक्टर के पास ले गया था, जहां गर्भपात के लिए 40 हजार रुपए मांगे जाने का आरोप है। इसके बाद शहडोल में एक अन्य डॉक्टर के यहां गर्भपात कराए जाने की बात कही गई है। गर्भपात और इलाज से संबंधित इन दावों की पुष्टि मेडिकल रिकॉर्ड, संबंधित चिकित्सकीय दस्तावेजों और जांच के बाद ही हो सकेगी। इस संबंध में संबंधित डॉक्टरों का पक्ष भी सामने आना बाकी है।

अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने का आरोप

युवती का आरोप है कि कनिष्क ने शारीरिक संबंध बनाते समय उसके अश्लील वीडियो बना लिए थे। बाद में इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उस पर दबाव बनाया जाता था। युवती ने दावा किया कि आरोपी ने उसके नाम से फर्जी सोशल मीडिया





आईडी बनाई और उस पर वीडियो पोस्ट किए। उसके अनुसार, आरोपी ने वीडियो उसे भी भेजे थे। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि शहडोल के पारुल पैलेस में उसका अश्लील वीडियो बनाया गया था। विरोध करने पर मारपीट और धमकी देने की बात भी शिकायत में कही गई है। उसका दावा है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने कई बार उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए। इन आरोपों की पुष्टि के लिए डिजिटल साक्ष्य, वीडियो, सोशल मीडिया अकाउंट और अन्य संबंधित सामग्री की जांच महत्वपूर्ण होगी।

शादी तय हुई तो वहां भी वीडियो भेजने का आरोप

युवती के मुताबिक, बाद में उसके परिवार ने उसकी शादी तय करने की कोशिश की थी। आरोप है कि कनिष्क ने उस रिश्ते से जुड़े लोगों तक उसके अश्लील वीडियो पहुंचा दिए, जिसके कारण उसकी शादी टूट गई। युवती का कहना है कि जब उसने इसका विरोध किया तो उसे फिर से जान से मारने की धमकी दी गई। उसने यह भी बताया कि वह लगातार कनिष्क से शादी करने के लिए कहती रही, लेकिन युवक और उसके परिवार की ओर से शादी से इनकार किया जाता रहा। युवती के अनुसार, युवक उस पर शक करता था, उसकी गतिविधियों पर नजर रखता था और उसके साथ अपशब्दों का इस्तेमाल करता था।

छत से घर में घुसकर मोबाइल ले जाने का आरोप

युवती ने शिकायत में 27 दिसंबर 2025 की एक घटना का भी उल्लेख किया है। उसके अनुसार, कनिष्क छत के रास्ते उसके घर में घुसा और उसका मोबाइल फोन लेकर चला गया। युवती का दावा है कि वह अपना मोबाइल वापस लेने आरोपी के घर पहुंची थी, लेकिन वहां उसे धमकाकर भगा दिया गया। युवती के मुताबिक, मोबाइल में उसके निजी वीडियो और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री होने की आशंका थी। इस मामले में मोबाइल फोन की बरामदगी, उसमें मौजूद डेटा और कथित वीडियो की जांच से आरोपों की पड़ताल में मदद मिल सकती है।

बहनों को भी धमकाने का आरोप

युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी उसकी छोटी बहन, जो कक्षा 12वीं की छात्रा है, और बड़ी बहन, जो स्कूल में शिक्षिका है, को भी धमकाता है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी बहनों के साथ दुष्कर्म कराने और उन्हें गाड़ी से कुचलवाने जैसी धमकियां दी गईं। युवती का कहना है कि इन धमकियों से पूरा परिवार भयभीत है। उसने आरोपी के बड़े भाई हर्ष प्रताप सिंह और पिता विक्रम सिंह पर भी धमकी देने के आरोप लगाए हैं। युवती के अनुसार, हर्ष प्रताप सिंह बुढ़ार जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष और भाजपा से जुड़े नेता हैं। उसने दावा किया कि हर्ष प्रताप कई बार धमकी दे चुके हैं, जबकि पिता की ओर से गोली मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप है। युवती का कहना है कि इन घटनाओं से जुड़े कुछ वीडियो उसके पास उपलब्ध हैं। इन आरोपों के संबंध में संबंधित लोगों का पक्ष और पुलिस की जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है। किसी भी व्यक्ति के खिलाफ लगाए गए आरोपों को जांच और न्यायिक प्रक्रिया से पहले प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता।

शिकायत के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता

युवती का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद उसकी परेशानी और बढ़ गई है। उसके अनुसार, आरोपी और उसके परिजन उसे घर से बाहर निकलने पर गोली मारने की धमकी दे रहे हैं। इसी कारण वह अपने घर में रहने को मजबूर है। उसने परिवार की सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यदि युवती के पास धमकी से जुड़े वीडियो, संदेश, कॉल रिकॉर्डिंग या सोशल मीडिया पोस्ट हैं, तो वे जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य हो सकते हैं। कथित अश्लील वीडियो के प्रसार की जांच के साथ संबंधित डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।

इनका कहना है...

युवती ने 12 अक्टूबर 2026 को शहडोल महिला थाने में लिखित शिकायत दी थी। पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की और क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार थाने को स्थानांतरित कर दिया। एफआईआर में बीएनएस की धारा 69 के तहत मामला दर्ज होने का उल्लेख है। अब पुलिस शिकायत में बताए गए घटनाक्रम, कथित धमकियों, वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी।

डॉ. संजय अग्रवाल
पुलिस अधीक्षक, शहडोल

सोन नदी किनारे अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग की चुप्पी पर सवाल

सरकारी जमीन से धड़ल्ले से गायब हो रही खनिज संपदा

मानपुर। जिले में खनिज संपदा की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी उठाने वाले जिला खनिज विभाग की कार्यप्रणाली अब गंभीर कटघरे में आ गई है। स्थिति यह है कि कागजों पर नियमों का पाठ पढ़ाने वाले जिम्मेदार अधिकारी एसी कमरों की कुर्सियों पर बैठे हैं, जबकि मैदानी हकीकत यह है कि जमीन से सरकारी खनिज संपदा दिन-दहाड़े गायब हो रही है। ताजा मामला मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम गोवर्दे का है, जहां सोन नदी के किनारे शासकीय भूमि को निशाना बनाकर अवैध रूप से मुरूम का भारी उत्खनन किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस गंभीर मामले को लेकर स्थानीय नागरिक एवं शिकायतकर्ता रवि सेन ने कलेक्टर से लेकर जिला खनिज अधिकारी तक लिखित शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन विभाग की सुस्त और संदेहास्पद कार्यशैली के चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ठेकेदार पर गंभीर आरोप

शिकायत के अनुसार, ग्राम गोवर्दे में सोन नदी के तट के करीब स्थित शासकीय भूमि (खसरा नंबर 591/1/1/1/1, रकबा 6.0710 हेक्टेयर) पर बेखौफ अंदाज में पोकलेन जैसी भारी-भरकम मशीनें उतारी गईं। आरोप है कि इन मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर मुरूम की खुदाई की गई है। सूत्रों और शिकायतों के मुताबिक, इस तरह अवैध रूप से निकाली जा रही मुरूम का इस्तेमाल सोन नदी के भीतर रेत के अवैध और बेहिसाब उत्खनन के लिए सुगम पहुंच मार्ग (रोड) बनाने में किया जा रहा है। इस समूचे घटनाक्रम में बाबा महाकाल मिनरल्स नामक रेत ठेकेदार का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या सरकारी खजाने और प्राकृतिक संपदा को लूटने की खुली छूट किसी ने दे रखी है?



कागजी दावों और मैदानी हकीकत के बीच बड़ा विरोधाभास

शिकायतकर्ता रवि सेन ने खुलासा किया कि गत 15 सितंबर 2026 को ही कलेक्टर कार्यालय में एक स्पष्ट आवेदन देकर मांग की गई थी कि जिले में बाबा महाकाल मिनरल्स के पक्ष में स्वीकृत तमाम रेत खदानों का एक अक्टूबर से पहले अनिवार्य रूप से सीमांकन और खूंटाबंदी (पिलरिंग) कराई जाए। इसके बावजूद आरोप है कि मौके पर आज भी किसी तरह के स्पष्ट सीमा चिह्न या खूंटे नजर नहीं आते। यदि नियमों के मुताबिक खदानों का सीमांकन नहीं हुआ है, तो विभाग किस आधार पर खदानों की निगरानी का दावा कर रहा है? और यदि सीमांकन की कागजी औपचारिकता पूरी कर ली गई है, तो उसकी जांच रिपोर्ट और मौके पर स्थापित सीमा पिलरों की हकीकत सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? इन तीखे सवालों के जवाब देने से जिला खनिज अधिकारी और अमला अब तक कतराता नजर आ रहा है।

सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई खनिज विभाग की भूमिका

खनिज विभाग का दायित्व केवल कार्यालय में बैठकर खदानों के पट्टे जारी करना या कागजी रिकॉर्ड का रख-रखाव करना नहीं है। स्वीकृत पट्टों की तय सीमा के भीतर ही खनन हो, अवैध उत्खनन पर पैनी नजर रखी जाए और सरकारी राजस्व को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाया जाए, यह विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सोन नदी के किनारे चल रहे इस कथित अवैध उत्खनन के खेल ने खनिज विभाग की सक्रियता की पोल खोलकर रख दी है। यदि समय रहते मौके पर पहुंचकर जांच नहीं की गई, तो यह माना जाएगा कि महकमे की मिलीभगत से ही यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। यदि बिना अनुमति सरकारी जमीन से खनिज की चोरी हुई है, तो संबंधितों के विरुद्ध तत्काल आपराधिक प्रकरण दर्ज कर भारी जुर्माना वसूला जाना चाहिए। केवल "जांच जारी है" का झुनझुना थमाकर फाइलों को ठंडे बस्ते में डालने की परंपरा अब और नहीं चल सकती।

अब जवाबदेही तय होगी या फाइलों में दबेगा मामला

इस पूरे प्रकरण पर कड़ा रुख अपनाते हुए शिकायतकर्ता रवि सेन ने मांग की है कि खनिज और राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की एक संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंचे। इसके बाद निष्पक्ष रूप से मुरूम उत्खनन की पैमाइश की जाए, पंचनामा तैयार हो और बाबा महाकाल मिनरल्स के पक्ष में स्वीकृत खदानों का वास्तविक भौतिक सीमांकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही 15 सितंबर को दिए गए आवेदन पर अब तक हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया जाए।

गौरतलब है कि सरकारी खनिज संपदा किसी भी निजी ठेकेदार की जागीर या व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है। इसकी सुरक्षा में बरती जा रही यह आपराधिक लापरवाही सीधे तौर पर प्रशासनिक तंत्र पर सवालिया निशान लगाती है। अब देखना यह होगा कि क्या जिला खनिज विभाग अपनी कुंभकर्णी नींद से जागकर धरातल पर उतरता है और दोषियों पर शिकंजा कसता है, या फिर एक बार फिर से इस गंभीर मामले को फाइलों के गर्भ में दफना दिया जाता है।



दीपावली की तैयारी में जुटे लोग, बाजारों में बढ़ी रौनक

घरों की साफ-सफाई और रंग-रोगन का काम तेज

कोतमा। दशहरा समाप्त होते ही दीपावली और छठ पर्व की तैयारियां तेज हो गई हैं। दीपों के पर्व दीपावली को लेकर नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक उत्साह का माहौल है। घरों की साफ-सफाई, टूटे-फूटे हिस्सों की मरम्मत और रंग-रोगन का काम जोर-शोर से चल रहा है। लोग चाहते हैं कि पर्व से पहले घरों और प्रतिष्ठानों को नया रूप देकर सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। इसके चलते कोतमा के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है और पेंट, डिस्टेंपर, सजावटी सामग्री तथा रंगाई-पुताई से जुड़े सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई देने लगी है। दीपावली के मद्देनजर लोग अपने घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को साफ-सुथरा बनाने में जुटे हैं।

पुराने और अनुपयोगी सामानों को हटाने के साथ ही घरों के कमरों, दरवाजों, खिड़कियों और बाहरी हिस्सों की मरम्मत कराई जा रही है। जिन लोगों के पास घर के साथ खुला परिसर है, वे मजदूर लगाकर पूरे परिसर की साफ-सफाई करवा रहे हैं। वहीं, कई लोग घरों की दीवारों पर पुट्टी और डिस्टेंपर कराने के साथ दरवाजों एवं खिड़कियों पर पेंट करवा रहे हैं, ताकि दीपावली तक घरों को आकर्षक रूप दिया जा सके। रंगाई-पुताई के काम में तेजी आने से पेंट और हार्डवेयर की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। कोतमा नगर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और कोयलांचल से भी लोग पेंट, डिस्टेंपर, पुट्टी, ब्रश और रंगाई-पुताई से संबंधित अन्य सामग्री खरीदने पहुंच रहे हैं। बाजार में विभिन्न कंपनियों के पेंट और डिस्टेंपर की मांग देखी जा रही है। इसके साथ ही घरों और दुकानों को सजाने के लिए सजावटी सामान की खरीदारी भी शुरू हो गई है। हालांकि, ग्राहकों का कहना है कि पेंट और रंगाई-पुताई से जुड़ी सामग्री की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसके बावजूद दीपावली पर मां लक्ष्मी की पूजा से पहले घरों और दुकानों की साफ-सफाई तथा रंग-रोगन कराना परंपरा और जरूरत दोनों का हिस्सा है। इसी कारण लोग बढ़े खर्च के बीच भी तैयारियों में जुटे हुए हैं।दीपावली की तैयारियों ने मजदूरों और पेंटिंग का काम करने वाले कारीगरों की मांग भी बढ़ा दी है। नगर के गांधी चौक सहित प्रमुख स्थानों पर सुबह से ही मजदूर काम की तलाश में पहुंचने लगते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से भी मजदूर कोतमा आकर मजदूरी करते हैं। जरूरत के अनुसार लोग साफ-सफाई, मरम्मत और रंगाई-पुताई के लिए मजदूरों को अपने साथ ले जाते हैं। इन दिनों पेंटरों की मांग विशेष रूप से बढ़ी हुई है। त्योहार के नजदीक आने के साथ काम की व्यस्तता और बढ़ने की उम्मीद है। दीपावली पर मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा को देखते हुए कुम्हार भी तैयारियों में जुटे हैं। उनके घरों में मिट्टी के दीये, बर्तन, खिलौने तथा भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियां बनाई जा रही हैं। कुम्हारों को उम्मीद है कि दीपावली के दौरान इन पारंपरिक वस्तुओं की अच्छी बिक्री होगी। वहीं, दुकानदार भी त्योहार को ध्यान में रखते हुए सजावटी सामान का भंडार बढ़ाने में लगे हैं। दीपावली की सजावट को आकर्षक बनाने के लिए बाजारों में बिजली की झालरों, रंग-बिरंगी बत्तियों और अन्य विद्युत सजावटी सामग्रियों की दुकानें भी सजने लगी हैं। घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को रोशनी से सजाने के लिए लोग अपनी पसंद के अनुसार सामान खरीद रहे हैं। कुल मिलाकर दीपावली को लेकर कोतमा के बाजारों में धीरे-धीरे रौनक बढ़ रही है। दुकानदारों को त्योहार पर अच्छी बिक्री की उम्मीद है, जबकि कुम्हारों, मजदूरों और पेंटरों के लिए भी यह समय रोजगार के नए अवसर लेकर आया है।

सुहागिनों में करवा चौथ की उमंग, बाजारों में बढ़ी रौनक

पूजन सामग्री, आभूषण और श्रृंगार की दुकानों पर उमड़ रही महिलाओं की भीड़

कोतमा। अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु की कामना के प्रतीक पर्व करवा चौथ को लेकर कोतमा नगर सहित कोयलांचल और ग्रामीण अंचलों में सुहागिन महिलाओं के बीच उत्साह का माहौल है। व्रत को लेकर महिलाओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं, पर्व नजदीक आने के साथ ही बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। करवा चौथ को लेकर कोतमा नगर के प्रमुख बाजारों, सराफा गली और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है। महिलाएं व्रत और पूजन के लिए मिट्टी के करवे, चलनी, दीपक, पूजा की थाली सहित अन्य आवश्यक सामग्री की खरीदारी कर रही हैं। इसके साथ ही नए वस्त्रों और पारंपरिक परिधानों को लेकर भी महिलाओं में खासा उत्साह है। पर्व के मद्देनजर सौंदर्य प्रसाधनों, आभूषणों और मेहंदी लगाने वाली दुकानों पर भी चहल-पहल बढ़ गई है। सुहागिन महिलाएं करवा चौथ के लिए साज-श्रृंगार की तैयारियों में जुटी हैं। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर



महिलाओं में उल्लास का वातावरण है। करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा। पंडित अमन पाण्डेय के अनुसार, पंचांग के मुताबिक करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजे से 6 बजे तक रहेगा। इस दिन सुहागिन महिलाएं परंपरा के अनुसार व्रत रखकर पूजा-अर्चना करेंगी और अपने पति की दीर्घायु तथा दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि की कामना करेंगी।

कोतमा के वार्ड-5 में '52 परी' के खेल की चर्चा, निगरानी व्यवस्था पर सवाल

कोतमा। नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड क्रमांक 5 की बस्ती में कथित तौर पर '52 परी' नामक जुए का खेल संचालित होने की चर्चा सामने आई है। स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार, बस्ती के भीतर यह गतिविधि संचालित होने के साथ बाहर कुछ लोगों के बैठकर निगरानी करने की बात भी कही जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा के बीच पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यदि संबंधित क्षेत्र में जुए का खेल संचालित हो रहा है, तो इसकी वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए पुलिस जांच जरूरी है। जांच के जरिए यह स्पष्ट किया जा सकता है कि शिकायतों में कितनी सच्चाई है और क्या इस गतिविधि में अन्य लोग भी शामिल हैं। जुए जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की अपेक्षा जताई है। उनका कहना है कि यदि वार्ड क्रमांक 5 में अवैध रूप से जुआ संचालित होने की पुष्टि होती है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल वार्ड क्रमांक 5 में कथित जुआ गतिविधियों को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। ऐसे में पुलिस प्रशासन की जांच महत्वपूर्ण है। जांच में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कथित गतिविधि कहां संचालित हो रही है और बाहर बैठकर निगरानी किए जाने के आरोपों में कितनी सच्चाई है। सवाल यह है कि वार्ड क्रमांक 5 में सामने आई शिकायतों की वास्तविकता क्या है? इसका जवाब पुलिस जांच और आधिकारिक कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।



27 अक्टूबर को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

उमरिया। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की फिजिकल बैठक का आयोजन 27 अक्टूबर को दोपहर एक बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।



बुढार में 17 फुट ऊंची मन्नत वाली

मां महाकाली प्रतिमा विसर्जन

सिन्धी मार्केट से बाजे-गाजे जयघोष से निकली शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत, कॉलेज तिराहा व अमलाई चौक पर श्रद्धालुओं ने की महाआरती

बुढ़ार।

बुढार नगर के सिन्धी मार्केट में शारदेय नवरात्रि पर मन्नत वाली मां महाकाली समिति द्वारा 17 फीट ऊंची भव्य प्रतिमां विद्युत की आकर्षक छंटा के मध्य विराजित की गई, जहां नगर तथा आस-पास के श्रद्धालुओं ने अनवरत नौ दिन मन्नत वाली मां महाकाली बुढार की महारानी का पूरे श्रद्धाभाव दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किये और 24 अक्टूबर को मां महाकाली विशाल शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो पर निकाली गई, और पूरे उल्लास के साथ मन्नत वाली मां महाकाली को नम आंखों से श्रद्धालु जनों ने विदाई दी। मां मन्नत वाली मां महाकाली के विशालकाय प्रतिमां के नौ दिवसीय पूजा-अर्चना के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का मां के दर्शन का तांता लगा रहा और मां का आशीर्वाद अर्जित कर अपना जीवन सौभाग्यमय बनाया।

विसर्जन शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुये, जिससे पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

माता रानी की भव्य शोभायात्रा सिन्धी मार्केट से प्रारंभ होकर नगर परिषद चौक होते हुये कॉलेज तिराहापहुंची, और मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर माता रानी का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिये। शोभायात्रा में शामिल भक्तों के स्वागत के लिये जलपान और प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई, आकर्षक आतिशबाजी और भक्ति के जयकारों के बीच शोभायात्रा का दृश्य श्रद्धा एवं आस्था का केंद्र बना रहा।



कॉलेज तिराहे पर माता रानी की भव्य महाआरती की गई, इस दौरान बाहर से आये कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, कलाकारों की प्रस्तुति देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुये। इसके बाद शोभायात्रा कॉलेज मार्ग से बस स्टैंड होते हुये अमलाई चौक पहुंची। विद्युत सज्जा से सजे अमलाई चौक पर माता रानी का भव्य स्वागत किया गया और महाआरती के माध्यम से श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट की, इसके पश्चात शोभायात्रा जैतपुर चौक से रेस्ट हाउस मार्ग होते हुये जरवाही स्थित सोन नदी के लिये रवाना हुई, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मां महाकाली की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान भक्तों ने नम आंखों से माता रानी को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की।

आयोजन की सफलता में समिति सदस्यों का रहा विशेष योगदान

मन्नत वाली मां महाकाली माता रानी की नौ दिवसीय सेवा, पूजा-अर्चना में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने में - श्रीमती अनामिका सिंह, विक्की आहूजा, अंकुर सोनी, प्रिंस नेचलानी, मोहन मोटवानी, राहुल आहूजा, निरवेद्र सिंह (छोटू), सनत शुक्ला, रवि तिवारी, प्रथम पनिका सहित मन्नत वाली मां महाकाली समिति के समस्त सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुये इस आयोजन ने बुढ़ार नगर को भक्तिमय रंग में रंग दिया, मां महाकाली की भव्य प्रतिमा के दर्शन और विसर्जन शोभायात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने आयोजन की धार्मिक महत्ता और जनआस्था को प्रदर्शित किया।

पूर्व की चाकूबाजी-तलवारबाजी की घटनाओं से बढ़ी चिंता

धनपुरी के इमामबाड़ा में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल,आजाद चौक के बस-टैक्सी स्टैंड के पास नशे, जुआ और गाली-गलौज की शिकायतें

धनपुरी। धनपुरी नगर के प्रमुख स्थल आजाद चौक से जुड़े इमामबाड़ा स्थित बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास कथित असामाजिक गतिविधियां स्थानीय नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। आरोप है कि यहां सुबह से देर रात तक कुछ लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। शराब पीने, गांजा सेवन, जुआ खेलने और सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। विद्यालय और बस स्टैंड नजदीक होने के कारण विद्यार्थियों, यात्रियों तथा दूसरे क्षेत्रों से आने वाले लोगों का लगातार आवागमन बना रहता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थल पर होने वाली इन गतिविधियों से नगर की छवि और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।व्यस्त क्षेत्र में खुलेआम गाली-गलौज से परेशानीस्थानीय लोगों के अनुसार, बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास कुछ लोग आपस में विवाद करते हुए गाली-गलौज करते दिखाई देते हैं। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह का व्यवहार आने-जाने वाले लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा करता है। खासकर विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों और यात्रियों की मौजूदगी को देखते हुए इस क्षेत्र में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। नागरिकों का कहना है कि नगर के प्रमुख स्थल पर ऐसी स्थिति बने रहना चिंताजनक है।चाकूबाजी और तलवारबाजी की पुरानी घटनाओं से बढ़ा खतराइमामबाड़ा क्षेत्र को लेकर चिंता इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां पूर्व में चाकूबाजी और तलवारबाजी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में विवादों और संदिग्ध गतिविधियों को हल्के में लेना भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। नागरिकों की मांग है कि किसी बड़ी घटना की प्रतीक्षा करने के बजाय पुलिस प्रशासन समय रहते प्रभावी कदम उठाए, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके।कभी-कभार गश्त से नहीं चलेगा काम, नियमित निगरानी जरूरीस्थानीय नागरिकों का कहना है कि कभी-कभार पुलिस गश्त से स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। यदि शिकायतों के बाद केवल छोटी-मोटी कार्रवाई होती है और नियमित निगरानी नहीं रखी जाती, तो ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना मुश्किल होगा। लोगों की मांग है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त कराई जाए तथा शराब, गांजा, जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए।जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांगआजाद चौक से जुड़े इमामबाड़ा बस-टैक्सी स्टैंड के आसपास की स्थिति को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से विशेष निगरानी व्यवस्था बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि संवेदनशील माने जा रहे इस स्थल पर नियमित पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए, ताकि असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगे और आम नागरिक बिना किसी भय के आवागमन कर सकें।अब जरूरत केवल शिकायतों पर कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिससे सार्वजनिक स्थल पर कानून का प्रभाव दिखाई दे। समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए तो विवादों पर नियंत्रण के साथ किसी संभावित गंभीर घटना को भी टाला जा सकता है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर इमामबाड़ा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करेगा।

दर्दनाक सड़क हादसा: अनियंत्रित बाइक से गिरकर पिता और दो बच्चे घायल, डायल-112 के जवानों ने समय पर अस्पताल पहुँचाकर बचाई जान

शहडोल।

जिले के थाना सीधी अंतर्गत पथरवार महुआ टोला रोड के पास एक मोटर साइकिल के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने का मामला सामने आया है। इस हादसे में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए डायल-112 के जवानों ने घायलों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचा ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना की सूचना 25 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:44 बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही तत्काल थाना सीधी में तैनात डायल-112 वाहन को सहायता के लिए घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

मौके पर पहुँचे डायल-112 स्टाफ के आरक्षक जगभान और पायलेट सकदाम हुसैन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में घायल हुए पिता और दोनों बच्चों को अपनी एफआरव्ही (FRV) वाहन की मदद से तुरंत शासकीय चिकित्सालय बांसकुली में भर्ती कराया। वर्तमान में सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। डायल-112 के जवानों की इस मुस्तैदी और मानवीय सहायता की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

उमरिया में वित्तीय सैचुरेशन कैंप का सफल आयोजन



उमरिया। अग्रणी बैंक, जिला उमरिया के तत्वावधान में रानी दुर्गावती भवन, उमरिया में वित्तीय सैचुरेशन कैंप का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक निलंका रॉय, क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रिया अग्रवाल, अग्रणी जिला प्रबंधक गौतम सिंह, मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक अभिषेक आनंद, निदेशक तरुण कुमार तथा एफआई मैनेजर मनीष माधव उपस्थित रहे।

कैंप में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, निष्क्रिय बैंक खातों को पुनः सक्रिय करने, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया समझाते हुए पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग सेवाओं, बीमा सुरक्षा, पेंशन तथा स्वरोजगार योजनाओं से जुडने के लिए प्रेरित किया। कैंप का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुँचाना था।

शरद पूर्णिमा पर भजनों से गूंजे देवालय शिवसागर धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब



चंद्रमा की अमृत वर्षा की मान्यता के बीच खीर का प्रसाद वितरित

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में रविवार को शरद पूर्णिमा का पर्व परंपरागत श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पंचायती मंदिर, शिवसागर धाम शिव मंदिर सहित नगर के विभिन्न देवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और महाआरती के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह से ही मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। शाम होते-होते मंदिरों में भक्तों की भीड़ बढ़ गई और पूरा नगर धार्मिक आस्था के रंग में रंगा नजर आया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों में भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। शिवसागर धाम शिव मंदिर में देवाधिदेव महादेव का विशेष अभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। शाम को मंदिरों में महाआरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। भक्तों ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पंचायती मंदिर में रात्रि के समय विशेष भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु भावविभोर नजर आए। देर रात तक चले धार्मिक आयोजन से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की सहभागिता ने पर्व के उत्साह को और बढ़ा दिया। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों में अमृत तुल्य गुण माने जाते हैं। इसी मान्यता के अनुरूप शरद पूर्णिमा की रात गाय के दूध और चावल से तैयार खीर को खुले आसमान के नीचे रखा गया। मध्यरात्रि में खीर का भगवान को भोग लगाया गया और इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। नगर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों को सफल बनाने में मंदिर समितियों के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्थानीय युवाओं ने सराहनीय योगदान दिया। शरद पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने नगर की धार्मिक परंपराओं और आस्था की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की।

बाघों के पहरेदारों के घरों में भुखमरी की कगार

प्रबंधन की संवेदनहीनता से फीका बीता दशहरा

मानपुर।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों, वन्यजीवों और बेशकीमती वन संपदा की सुरक्षा में अपनी जान जोखिम में डालने वाले वन श्रमिकों का सब्र अब जवाब दे चुका है। जंगल के रखवालों के ही घरों में इन दिनों चूल्हा जलने के लाले पड़े हैं। बांधवगढ़ ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष संतराम सिंह के खुलासे ने पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर और तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। पनपथा, पतौर, मानपुर, कल्लवाह, धमोखर और खितौली जैसी तमाम रेंजों में पसीना बहाने वाले इन मैदानी श्रमिकों को पिछले दो से तीन महीनों से वेतन का एक पाई तक नसीब नहीं हुई है। नतीजतन, पर्वों का यह सीजन इन परिवारों के लिए मातम और लाचारी बनकर आया है।



जोखिम भरा काम, पर महीनों से वेतन गायब

जंगल के भीतर हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर गश्त करने और तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने वाले इन श्रमिकों का शोषण चरम पर है। यूनियन अध्यक्ष संतराम सिंह ने आरोप लगाया है कि कुशल श्रमिकों को बमुश्किल 15 हजार और अकुशल श्रमिकों को 10,500 रुपए मासिक मानदेय मिलता है। विडंबना यह है कि इनसे साप्ताहिक अवकाश के दिन यानी रविवार को भी जबरन ड्यूटी ली जाती है, लेकिन जब मेहनताने के भुगतान की बारी आती है, तो पार्क प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। महीनों का वेतन रोककर सिर्फ एक महीने का भुगतान थमाने की यह अमानवीय व्यवस्था आखिर किसकी शह पर चल रही है?

जान गंवाने वाले श्रमिक का हक भी दबा बैठा प्रबंधन

विभाग की संवेदनहीनता की इंतहा यहीं खत्म नहीं होती। मानपुर रेंज के कठई सर्कल में सेवा देने वाले श्रमिक विवेक बैगा ड्यूटी के दौरान गंभीर हादसे का शिकार होकर अपनी आंख गंवा बैठे, लेकिन विभाग ने इलाज के नाम पर उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, उनका तीन महीने का वेतन भी आज तक अटका हुआ है। इससे भी दर्दनाक वाकया धमोखर रेंज के धौरखोह बैरियर पर तैनात रहे श्रमिक बल्लू चौधरी का है। बीमारी के चलते कुछ दिन पहले उनकी मौत हो गई। परिजनों का साफ आरोप है कि समय पर वेतन न मिलने और आर्थिक तंगी के कारण वे बल्लू का सही इलाज तक नहीं करा सके। अब मौत के बाद भी उनके हक का तीन महीने का बकाया वेतन उनके परिजनों को नहीं दिया गया है। क्या पार्क प्रबंधन इन गरीब परिवारों की बर्बादी का तमाशा देख रहा है?

प्रबंधन ने साधी चुप्पी, जिम्मेदार कौन

एक तरफ जहां टाइगर रिजर्व के सैलानियों और वीआईपी दौरों पर पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, वहीं धरातल पर जान की बाजी लगाकर जंगल बचाने वाले ये श्रमिक पाई-पाई को मोहताज हैं। इस पूरे गंभीर मामले पर जब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक और उपसंचालक से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, तो दोनों ने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों की यह चुप्पी उनकी मिलीभगत और असंवेदनशीलता को साफ जाहिर करती है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सभी श्रमिकों के लंबित वेतन का शत-प्रतिशत भुगतान, उचित चिकित्सीय सहायता और नियमानुसार अवकाश सुनिश्चित नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। बाघों के जंगल की रखवाली करने वालों का भविष्य अंधेरे में धकेलने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज कब गिरेगी, यह देखने वाली बात होगी।

विजयराघवगढ़ एवं कैमोर थाना क्षेत्र में हुये सड़क हादसे दो लोगों की मौत

कटनी। सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के जंगलपुरानी नरेडी मोड़ के पास तेज रफ्तार वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया, जिससे कमलेश उर्फ घुल्ली सिंह गोड 30 वर्ष, निवासी ग्राम पौनिया थाना बड़वारा) की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मामला पंजीबद्ध किया है इसी तरह कैमोर थाना क्षेत्र के ग्राम गुड़गड़ौहा आम रोड पर एक अन्य सड़क दुर्घटना में तेज व लापरवाही से वाहन चलाकर टक्कर मारने के कारण सचिन लोधी 24 वर्ष, निवासी लाल नगर कैमोर की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना को लेकर कैमोर थाने में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

भागवत कथा में नारद जी की कथा का वर्णन

सिलौंडी। सिलौंडी में चल रही भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक दिनेश मिश्रा ने नारद जी कथा का वर्णन किया। कथा की शुरुआत नारद जी के पूर्व जन्म से होती है। पिछले जन्म में नारद जी एक दासी पुत्र थे। संतों की सेवा से उन्हें ज्ञान मिला और भगवान के दर्शन हुए। इसी पुण्य से अगले जन्म में वे ब्रह्मा जी के मानस पुत्र नारद मुनि बने। इससे बताया जाता है कि संत सेवा से ही भक्ति मिलती है। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं - सुनीति और सुरुचि। सुरुचि के पुत्र उत्तम को राजा गोद में बिठाते हैं, ध्रुव को नहीं। बालक ध्रुव को सौतेली माँ ने अपमानित किया। माँ सुनीति ने कहा - रबेटा, अगर गोद में बैठना है तो भगवान की गोद में बैठ। 5 साल का बालक ध्रुव जंगल में तपस्या करने गया। नारद जी ने ₹ॐ नमो भगवते वासुदेवायर मंत्र दिया। कठोर तपस्या से भगवान विष्णु प्रसन्न हुए और ध्रुव को अटल पद का वरदान दिया,जो आज ध्रुव तारा के रूप में है। तीसरे दिन के अंत में हिरण्यकशिपु के पुत्र प्रह्लाद जी के जन्म की कथा शुरू होती है, जो चौथे दिन विस्तार से होती है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत उपाध्यथ कटनी डॉक्टर सुशील राय ,गोविंद सोनी, शिवा सोनी ,राजनारायण राय ,शिव कुमार राय,राम कुमार साहू , सिंकदर साहू नेगाई, अर्जुन दहिया,कोठी साहू , हेमंत राय सैकड़ों भक्त की मौजूदगी रही ।

पैकरियों पर कार्यवाही करने विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

सिलौंडी। बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने कलेक्टर जिला कटनी को पत्र क्रमांक **MLA/BD**/2149 दिनांक 22/10/2026 प्रेषित कर विधानसभा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित शराब पैकरियों की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने जन स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा का हवाला देते हुए बिना लाइसेंस संचालित पैकरियों को बंद करने, औचक निरीक्षण और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

खबर संक्षेप



अनूपपुर एसपी विक्रांत मुराब प्रशिक्षण पर अंकित सोनी संभालेंगे जिले की कमान

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद रवाना हो गए हैं। उनके प्रशिक्षण पर रहने के दौरान जिले के पुलिस अधीक्षक का प्रभार भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2017 बैच के अधिकारी अंकित सोनी संभालेंगे। शासन द्वारा रविवार को जारी आदेश के अनुसार, सोनी 26 अक्टूबर से 20 नवंबर तक जिले की पुलिस व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाएंगे। वह वर्तमान में भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) के पद पर पदस्थ हैं। अंकित सोनी के अनूपपुर एसपी का प्रभार संभालने के साथ ही जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण और पुलिसिंग को प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ अपराधों की रोकथाम, पुलिस की सक्रियता और आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। अंकित सोनी मध्यप्रदेश कैडर के 2017 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। वर्तमान में वह भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। शासन के आदेश के तहत उन्हें अनूपपुर जिले के पुलिस अधीक्षक का प्रभार सौंपा गया है। निर्धारित अवधि पूरी होने तक वह जिले की पुलिस व्यवस्था का संचालन करेंगे।

अमरकंटक के जंगल में 9,535 साल वृक्षों की कटाई को मंजूरी, जिम्मेदार कौन?

करीब 40 लाख साल वृक्षों वाले वन क्षेत्र में 22 हजार वृक्ष प्रभावित होने का आकलन







डिंडोरी सहित दो क्षेत्रों में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति, संबंधी आंकड़ों ने खड़े किए सवाल साल बोरर से बचाव के नाम पर कटाई की वैज्ञानिकता स्वस्थ वृक्षों की सुरक्षा और वन विभाग की जवाबदेही पर उठी चिंता जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों से हस्तक्षेप की मांग

अनूपपुर/अमरकंटक। धार्मिक, प्राकृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण अमरकंटक के जंगलों में साल वृक्षों की कटाई का मामला अब गंभीर सवालों के घेरे में है। साल बोरर कीट से प्रभावित वृक्षों को हटाकर वन संपदा बचाने की दलील दी जा रही है, लेकिन कटाई की अनुमति से जुड़े आंकड़े सामने आने के बाद यह जानना जरूरी हो गया है कि आखिर कितने वृक्ष प्रभावित पाए गए, कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति दी गई और इस पूरी कार्रवाई का वैज्ञानिक आधार क्या है? जंगलों को बचाने के नाम पर हजारों वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना वन विभाग की जिम्मेदारी है। बीते अगस्त महीने में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा साल बोरर कीट के नियंत्रण को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य साल वृक्षों को प्रभावित करने वाले कीट से निपटने के उपायों पर चर्चा करना था। इसके बाद प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई को लेकर वन संरक्षण की रणनीति और उसके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों पर सवाल उठने लगे हैं।

40 लाख वृक्षों में 22 हजार प्रभावित होने का आकलन

जुलाई 2026 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में वन विभाग के आकलन के हवाले से अमरकंटक वन क्षेत्र में लगभग 40 लाख साल वृक्षों में से करीब 22 हजार वृक्षों के प्रभावित होने का उल्लेख किया गया था। वहीं, सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने की जानकारी सामने आई। इससे पहले 5,157.34 हेक्टेयर वन क्षेत्र का सर्वेक्षण किए जाने की बात भी रिपोर्टों में सामने आई थी। इन आंकड़ों के बीच प्रभावित वृक्षों और कटाई के लिए स्वीकृत वृक्षों की संख्या में अंतर को समझना आवश्यक है। यदि करीब 22 हजार वृक्ष प्रभावित पाए गए थे और 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दी गई, तो सवाल उठता है कि वृक्षों के चयन के लिए कौन-से वैज्ञानिक मानक अपनाए गए? क्या प्रत्येक वृक्ष की स्थिति का परीक्षण किया गया और क्या यह सुनिश्चित किया गया कि कटाई केवल उन्हीं वृक्षों की हो, जिन्हें हटाना जरूरी है? यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि प्रभावित पाए गए सभी वृक्षों को काटना आवश्यक था या कुछ वृक्षों को उपचार और अन्य वैज्ञानिक उपायों से बचाया जा सकता था। इन सवालों के जवाब के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट और कटाई की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेजों का सार्वजनिक होना जरूरी है।

डिंडोरी और अमरकंटक में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति

साल वृक्षों की कटाई का मामला केवल अमरकंटक तक सीमित नहीं है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, पड़ोसी डिंडोरी जिले में 1,46,784 साल वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने का उल्लेख किया गया है। अमरकंटक क्षेत्र के 9,535 वृक्षों की अनुमति संबंधी आंकड़े को जोड़ने पर दोनों क्षेत्रों का कुल आंकड़ा 1,56,319 वृक्ष हो जाता है। 1,56,319 वृक्षों का यह संयुक्त आंकड़ा वन प्रबंधन की व्यापकता को रेखांकित करता है। हालांकि, यह अनुमति संबंधी रिपोर्टों पर आधारित कुल संख्या है, वास्तविक कटाई का प्रमाणित आंकड़ा नहीं। दोनों क्षेत्रों में कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति मिली, कितने वृक्ष वास्तव में काटे गए और कितने वृक्ष अभी सुरक्षित हैं, इसका अलग-अलग विवरण सामने आना चाहिए। इतनी बड़ी संख्या में वृक्षों को हटाने की अनुमति के मामले में वैज्ञानिक आधार, निगरानी व्यवस्था और कटाई के बाद वन क्षेत्र की स्थिति का मूल्यांकन महत्वपूर्ण हो जाता है। केवल प्रभावित वृक्षों की पहचान पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि उन्हें हटाने से वन पारिस्थितिकी पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कीट से बचाव के नाम पर स्वस्थ वृक्षों को तो नुकसान नहीं?

साल वृक्ष अमरकंटक के जंगलों की प्राकृतिक पहचान हैं। ये वृक्ष वन्य जीवों के आवास, जैव विविधता और वन पारिस्थितिकी के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई के दौरान संक्रमित, कमजोर और स्वस्थ वृक्षों के बीच स्पष्ट अंतर करना आवश्यक है। वन विभाग का तर्क है कि प्रभावित वृक्षों को हटाकर अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस कार्रवाई की सफलता का आकलन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर ही किया जा सकता है। सवाल यह है कि वृक्षों के चयन की प्रक्रिया की निगरानी किसने की, कटाई के दौरान निर्धारित मानकों का पालन कैसे सुनिश्चित किया गया और क्या किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ संस्था से इसका मूल्यांकन कराया गया? यदि जंगल को बचाने के लिए वृक्षों को हटाना जरूरी है, तो इस निर्णय का वैज्ञानिक आधार सार्वजनिक होना चाहिए। साथ ही कटाई के बाद नए पौधों के विकास, प्राकृतिक पुनरुत्पत्ति और जैव विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों की निगरानी की व्यवस्था भी स्पष्ट की जानी चाहिए।

वन संरक्षण की जिम्मेदारी किसकी?

अमरकंटक जैसे संवेदनशील प्राकृतिक क्षेत्र में वन संपदा की रक्षा केवल वन विभाग की औपचारिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रह सकती। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों और वन विशेषज्ञों को भी इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। यदि वन संपदा के संरक्षण के नाम पर बड़े पैमाने पर कटाई की जा रही है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और वैज्ञानिक मूल्यांकन की मांग उठनी चाहिए। वन विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों की पहचान किन मानकों के आधार पर की गई, कटाई की अनुमति किस स्तर पर दी गई, वास्तविक कटाई की स्थिति क्या है और शेष वन संपदा को सुरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही डिंडोरी और अमरकंटक के आंकड़ों का अलग-अलग सत्यापित विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि अनुमति और वास्तविक कटाई के बीच की स्थिति स्पष्ट हो सके। साल बोरर कीट से जंगलों को खतरा हो सकता है, लेकिन उसके नियंत्रण के नाम पर होने वाली कार्रवाई भी सवालों से परे नहीं हो सकती। अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए जरूरी है कि वन संरक्षण के प्रत्येक निर्णय में वैज्ञानिक प्रमाण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। आखिर जंगल बचाने के लिए कितने वृक्षों को हटाना जरूरी है और इस कार्रवाई से वन संपदा को कितना लाभ मिल रहा है, इसका जवाब विभागीय आंकड़ों, स्वतंत्र वैज्ञानिक मूल्यांकन और सार्वजनिक समीक्षा से ही मिल सकेगा।

मां राजरानी की भव्य पद रथ यात्रा पहुंची अमरकंटक, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हुआ धार्मिक आयोजन

जमुना से बदरा, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम और पुष्पराजगढ़ होते हुए निकली यात्रा नवदुर्गा स्वरूप कन्याओं के नृत्य ने बांधा समां



अमरकंटक। नवरात्रि पर्व के समापन के बाद धार्मिक आस्था और श्रद्धा का अनूठा दृश्य देखने को मिला, जब नव युवक दुर्गा पूजा समिति, मेन दुर्गा पंडाल जमुना की ओर से मां राजरानी की भव्य पद रथ यात्रा निकाली गई। गुरुवार को जमुना से रवाना हुई यह यात्रा शनिवार की रात्रि को पवित्र नगरी अमरकंटक पहुंची। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। मां राजरानी के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। अमरकंटक पहुंचने के बाद मां की प्रतिमा का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। नव युवक दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था देखने को मिली। यात्रा के दौरान मां राजरानी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। वहीं, नवदुर्गा स्वरूप में सजी कन्याओं ने नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कन्याओं की प्रस्तुति से यात्रा में धार्मिक उल्लास और उत्साह का माहौल और भी बढ़ गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं में मां के प्रति भक्ति और समर्पण का भाव दिखाई दिया। मां राजरानी की पद रथ यात्रा जमुना से प्रारंभ होकर बदरा, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम होते हुए अमरकंटक पहुंची। यात्रा के मार्ग में श्रद्धालु धार्मिक उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे। शनिवार की रात्रि को अमरकंटक पहुंचने पर धार्मिक आयोजन का समापन मां की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ। नवरात्रि के बाद निकाली गई इस यात्रा ने श्रद्धालुओं को एक बार फिर भक्ति और आस्था के सूत्र में बांधा। इस धार्मिक आयोजन में नव युवक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सचिन जायसवाल एवं संयोजक चुनचुन सिंह सहित समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। मां राजरानी की पद रथ यात्रा के अमरकंटक पहुंचने से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए धार्मिक परंपराओं के अनुसार आयोजन में सहभागिता निभाई।

100 डिब्बों में भरा करीब 1500 किलो महुआ लाहन नष्ट, सात बोरी महुआ और गुड़ जब्त

झीमर में अवैध महुआ लाहन के अड्डों पर आबकारी विभाग का छापा

जमीन में गाड़कर रखे गए थे प्लास्टिक के डिब्बे, मौके से नहीं मिला कोई आरोपी

राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर परिषद डूमरकछार के वार्ड क्रमांक 12 स्थित झीमर कॉलरी में शनिवार, 24 अक्टूबर को आबकारी विभाग की टीम ने अवैध कच्ची शराब बनाने के ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान जमीन में गाड़कर रखे गए प्लास्टिक के डिब्बों से करीब 1500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा सात बोरी महुआ, गुड़ और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की गई। हालांकि, कार्रवाई के दौरान मौके पर कोई व्यक्ति नहीं मिला। आबकारी विभाग की टीम ने झीमर कॉलरी के क्वार्टर क्रमांक एम/112 में दबिश देकर अवैध कच्ची शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली करीब सात बोरी महुआ, 30 किलोग्राम पैक गुड़ की एक पेटी तथा एक झोले में रखा गुड़ जब्त किया। मौके से 20 लीटर क्षमता वाली कुछ प्लास्टिक की थैलियां भी मिलीं, जिन्हें वहीं नष्ट कर दिया गया। इसी क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित एक बाड़ी में जमीन के भीतर छिपाकर रखे गए करीब 100 प्लास्टिक के डिब्बे बरामद किए गए। इनमें लगभग 1500 किलोग्राम महुआ लाहन होने की जानकारी सामने आई। आबकारी टीम ने सभी डिब्बों को बाहर निकलवाकर लाहन नष्ट कराया।

अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के अंतर्गत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। विभागीय कार्रवाई के दौरान वृत्त प्रभारी राजनगर कृष्णकांत उइके, आबकारी उपनिरीक्षक सहाजू सिंह परस्ते तथा मुख्य आरक्षक महबूब अहमद खान, विक्रांत नामदेव और लाल साकेत की भूमिका रही। कार्रवाई के दौरान एसईसीएल के वरिष्ठ सुरक्षा प्रहरी रविशंकर शर्मा तथा क्षेत्र के पत्रकार रविंद्र कुमार सिंह, श्रीमती रीना शर्मा, ओमप्रकाश रवि और सतीश चंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं, कि झीमर क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से अवैध कच्ची शराब बनाने और बेचने का कारोबार चल रहा है। इस कारोबार में पांच लोगों के कथित सिंडिकेट के सक्रिय होने का तथा मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों में शराब की आपूर्ति किए जाने के दावे भी सामने आए हैं। स्थानीय सूत्रों के दावों के मुताबिक, झीमर से खोंगापानी, लेदरी, झगड़ाखांड और मनेन्द्रगढ़ सहित छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में शराब पहुंचाई जाती है। इसके अलावा राजनगर, डोला, बिजुरी, कपिलधारा, कोठी, छतई, आमाडांड, सेमरा, फुलवारी टोला और कोतमा के आसपास भी आपूर्ति किए जाने के आरोप हैं। इन गतिविधियों में कथित रूप से शामिल लोगों, शराब की वास्तविक मात्रा और कारोबार के आर्थिक आकार की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में संबंधित दावों की जांच और जिम्मेदार लोगों की पहचान किया जाना आवश्यक है।





जंगल में भी भट्टियां संचालित होने की शिकायत

झीमर क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण को लेकर जंगल में भट्टियां संचालित होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। आरोप है कि कॉलरी क्वार्टरों और निजी कच्चे मकानों के अलावा वन क्षेत्र में स्थित नाले के आसपास भी शराब बनाने के लिए ठिकानों का इस्तेमाल किया जाता है। शिकायतों के अनुसार, इन भट्टियों में ईंधन के लिए जंगल की लकड़ियों का उपयोग किया जाता है। यदि वन क्षेत्र में हरे पेड़ों की कटाई और अवैध भट्टियों का संचालन हो रहा है, तो इसकी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में वन विभाग की ओर से कार्रवाई की स्थिति की भी जानकारी सामने आनी चाहिए। झीमर में आबकारी विभाग की हालिया कार्रवाई के बाद अब पुलिस, आबकारी विभाग, वन विभाग और एसईसीएल प्रबंधन के बीच समन्वित कार्रवाई की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल छिटपुट छापेमारी के बजाय झीमर में नियमित निगरानी, समय-समय पर जंगल में ड्रोन कैमरे से निगरानी, राजनगर स्टेडियम में सीसीटीवी कैमरा से निगरानी, झीमर में प्रमुख मार्गों में सीसीटीवी कैमरा से निगरानी हो। अवैध कच्ची शराब के भट्टियों की पहचान, शराब की आपूर्ति के स्रोतों की जांच और जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई जरूरी है। क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर स्थायी रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन से प्रभावी कदम उठाने की मांग की जा रही है। अब देखना होगा कि हालिया छापेमारी के बाद जांच कितनी आगे बढ़ती है और अवैध शराब के पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए संबंधित विभाग क्या कदम उठाते हैं।

अश्विन शुक्ल पक्ष की शरद पूर्णिमा, रेवती नक्षत्र और रविवार को अमरकंटक में उमड़ी भक्तों की भीड़

शरद पूर्णिमा पर मां नर्मदा में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में अश्विन शुक्ल पक्ष की शरद पूर्णिमा, रेवती नक्षत्र एवं रविवार के पावन संयोग पर हजारों भक्त श्रद्धालुओं ने पतित पावनी मां नर्मदा के पवित्र जल में पुण्य की डुबकी लगाई। सुबह से ही नर्मदा स्नान करने और पवित्र जल में डुबकी लगाने का क्रम शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने स्नान के पश्चात मां नर्मदा के उद्गम मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया तथा सुख, शांति, समृद्धि और परिवार के कल्याण की कामना की। शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां नर्मदा के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास देखने को मिला। रविवार का अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक, तीर्थयात्री और भक्त अमरकंटक पहुंचे। सुबह से ही नर्मदा उद्गम कुंड एवं आसपास के घाटों पर स्नान करने वालों की आवाजाही बनी रही। स्नान और दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों और प्राकृतिक पर्यटन केंद्रों का भ्रमण किया। पवित्र नगरी अमरकंटक पहुंचे पर्यटक एवं तीर्थयात्री सोनमूड़ा, माई की बगिया, कपिलधारा, दूधधारा, जालेश्वर धाम, जैन मंदिर, श्री यंत्र महामेरु शक्तिपीठ मंदिर, अरंडी संगम और कबीर चबूतरा सहित विभिन्न दर्शनीय स्थलों पर पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्ता का अनुभव कर रहे हैं। मां नर्मदा के उद्गम स्थल से लेकर आसपास के जलप्रपातों, वन क्षेत्रों और प्राचीन धार्मिक स्थलों तक पर्यटकों की आवाजाही बनी हुई है। इसी क्रम में डिंडोरी एवं रीवा जिले से छात्र-छात्राएं भी शैक्षणिक भ्रमण के लिए अमरकंटक पहुंचे हैं। भ्रमण के दौरान विद्यार्थी यहां के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक महत्व वाले स्थलों का अवलोकन कर रहे हैं। अमरकंटक का प्राकृतिक परिवेश और मां नर्मदा के उद्गम से जुड़ा आध्यात्मिक महत्व विद्यार्थियों के लिए जानकारी एवं अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर नर्मदा स्नान, दर्शन-पूजन और पर्यटन स्थलों के भ्रमण के चलते पवित्र नगरी में दिनभर धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियां जारी रहीं। मां नर्मदा की पावन धारा में स्नान कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया, वहीं पर्यटकों ने अमरकंटक की प्राकृतिक छटा और धार्मिक विरासत का आनंद लिया।



उपभोक्ता परेशान, अनूपपुर के पेट्रोल पंपों पर ऑनलाइन भुगतान बंद

यूपीआई और क्यूआर कोड से पेमेंट नहीं होने से बढ़ी मुश्किलें, प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

अनूपपुर। डिजिटल इंडिया के दौर में जहां छोटे-बड़े लेन-देन के लिए यूपीआई और क्यूआर कोड से भुगतान किया जा रहा है, वहीं जिला मुख्यालय अनूपपुर के कुछ पेट्रोल पंपों पर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा बंद होने से उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कैशलेस भुगतान की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से वाहन चालकों को पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए नकदी का इंतजाम करना पड़ रहा है। पेट्रोल पंपों पर ऑनलाइन भुगतान नहीं होने के कारण उन लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन करते हैं। नकदी उपलब्ध नहीं होने पर कुछ लोगों को एटीएम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, खुले पैसों की समस्या के चलते उपभोक्ताओं और पेट्रोल पंप कर्मचारियों के बीच बहस की स्थिति भी बन रही है। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ ही बाहर से आने वाले यात्रियों को भी असुविधा हो रही है। डिजिटल भुगतान की सुविधा बाधित होने से आम जनता को हो रही परेशानी को देखते हुए प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मामले में संज्ञान लेने की मांग की गई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि जिला मुख्यालय के पेट्रोल पंपों पर भुगतान की सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि लोगों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए नकदी की व्यवस्था करने और एटीएम के चक्कर लगाने को मजबूर न होना पड़े। प्रशासन को मामले की जांच कर उपभोक्ताओं की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

